

19 71



न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर.

पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक 61-11/09/09 जिला-दतिया
द्वारा आज दि० प्रस्तुत 61-11/09

अधिवक्ता
राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

किशोरी पत्नी रूप सिंह, निवासी ग्राम पडरीकलॉ,
तहसील भाण्डेर, जिला दतिया(म.प्र.) आवेदिका
विरुद्ध

- (1) अनीता पत्नी महेन्द्रसिंह,
- (2) अनु नाबा. पुत्री महेन्द्रसिंह,
- (3) तनु नाबा. पुत्री महेन्द्रसिंह संरक्षक मॉ
अनीता देवी पत्नी महेन्द्रसिंह, निवासीगण
पडरीकलॉ, तहसील भाण्डेर, जिला दतिया
(म.प्र.) ... अनावेदकगण

श्री के. के. मिश्री अधि-
कृत भाज प्रकृत
शकालत नाग प्रकृत है।

14/1/09

न्यायालय अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक 3/अपील/08-09 में पारित आदेश दिनांक 12.01.2009 के विरुद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 50 के अधीन पुनरीक्षण।

माननीय महोदय,

आवेदिका की ओर से यह पुनरीक्षण निम्न तथ्यों एवं आधारों पर न्यायदान हेतु प्रस्तुत है :-

मामले के संक्षिप्त तथ्य :

(1) यहकि, पडरीकलॉ, तहसील भाण्डेर, जिला दतिया में स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 253 रकवा 10.15 हैक्टेयर के भूमि स्वामी संयुक्त रूप से महेन्द्रसिंह, सुजीतसिंह एवं अजीतसिंह पुत्रगण श्री रूपसिंह थे। महेन्द्रसिंह की मृत्यु एक टैक्टर एक्सीडेंट में हो जाने से उसकी विधवा पत्नी द्वारा नामान्तरण पंजी क्रमांक 16 पर आदेश दिनांक 14.03.2008 द्वारा अपने नाम एवं अपनी नाबालिग पुत्रीयों के नाम नामान्तरण करा लिया। यह सब कार्यवाही एकपक्षीय रूप से एवं जल्दबाजी में की गई । इस नामान्तरण के पूर्व ना तो विधिवत इशतहार का प्रकाशन किया गया और ना ही आपत्तियाँ आमत्रित की गई और यहां तक की हितबद्ध व्यक्तियों को व्यक्तिगत सूचना भी नहीं दी गयी। भूमिस्वामी महेन्द्रसिंह मॉ जीवित थी। अतः ऐसी स्थिति में उन्हें विवादित भूमि में हिस्सा 1/2 भाग प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार था,

किन्तु विचारण न्यायालय द्वारा इस वैधानिक बिन्दु को अनदेखा कर जो आदेश पारित किया है, वह अपास्त किये जाने योग्य है।

(2) यह कि, आवेदिका द्वारा नामान्तरण पंजी क्रमांक 16 में पारित आदेश दिनांक 14.03.2008 के विरुद्ध संहिता की धारा 44 के अधीन प्रथम अपील अनुविभागीय अधिकारी, भाण्डेर के समक्ष प्रकरण क्रमांक 87/07-08 प्रस्तुत की गयी। उक्त अपील में आवेदिका द्वारा आदेश 1 नियम 10 के अधीन एक आवेदन पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया गया कि विचारण न्यायालय द्वारा आवेदिका को उक्त प्रकरण में पक्षकार नहीं बनाया है। अतः ऐसी स्थिति में उसे अपील प्रस्तुत करने की




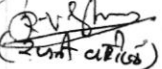
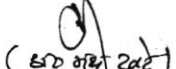



14-1-09
K. K. Mishra

R.61/J/9 सितम्बर

ए/4 टाल-काम



25

दिनांक तथा स्थान	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिप्राय आदि के हस्ताक्षर
7-11-14	<p>कॉन्स. कमीशनर को सूचित करने हेतु 347 कॉन्स. कमीशनर को सूचित करने हेतु 348 कॉन्स. कमीशनर को सूचित करने हेतु 27-1-15</p>	<p>27-1-15  27-1-15 </p>
<p>13-12-14 लोक अदालत</p>	<p>प्रकरण का निष्पत्ति के अन्तर्गत में सुनवाई हेतु निम्न गणना प्रकरणों के अन्तर्गत निम्नलिखित हैं</p> <p>कमीशनर को सूचित करने हेतु 347 कॉन्स. कमीशनर को सूचित करने हेतु 348 कॉन्स. कमीशनर को सूचित करने हेतु 27-1-15</p> <p>प्रकरण समाप्त किया जाता है। यह राजनीति में आदेश का कार्य रहेगा प्रकरण का निष्पत्ति हेतु</p> <p>  (कॉन्स. 1)  (कॉन्स. 2)  (कॉन्स. 2) </p>	<p>  सुनीता धाम  13/12/14 </p>

पुनरीक्षण प्र.
को प्र.
द्वारा बाब दि.
जबर सचिव
शासक सचिव मं प्र.

श्री के. के. मिश्रा और
काम का प्रकृत
काल में नाम प्रकृत

14